

N.E.S. COLLEGE OF EDUCATION
HOSHANGABAD
2018-2021

NAME → Jyoti Rajak

B. Ed. IIIrd SEM.

SUBJECT → Hindi Micro-
Teaching

Guided by
Anandini Ma. Debey
Mem.

Submitted by:
Jyoti Rajak

[सूक्ष्म शिक्षण]

सूक्ष्म शिक्षण → शिक्षण प्रक्रिया में विभिन्न कौशल समुक्त होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा शिक्षक को उन कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। अलग-अलग शिक्षण कौशल के प्रशिक्षण हेतु "सूक्ष्म शिक्षण" को शैक्षिक नवाचार के रूप में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में व्यापक प्रयोग में लाया जा रहा है। भारत व अन्य देशों में दृष्टे शोध के आधार पर माना गया है कि सूक्ष्म शिक्षण अन्य परम्परागत शिक्षण अभ्यास की विधियों की अपेक्षा अधिक वैज्ञानिक व प्रभावी सिद्ध हुआ है।

अतः सरल शब्दों में सूक्ष्म शिक्षण का उद्देश्य बालकों को सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों से भ्रमगत कराना है। अर्थात् स्वयंजानकारी देना है। आसपास के वातावरण को पहचानते दृष्टे कुछ वस्तुओं चिन्कित करना। उनसे वस्तु ज्ञान, वस्तु से अक्षर ज्ञान, एवं पहचान बताते दृष्टे उनसे भी पहचान करना।

सूक्ष्म शिक्षण विधि वृद्ध प्रक्रिया है। जिसके अंतर्गत सभी प्रकार के कौशलों का संयुक्त रूप से प्रयोग किया जाता है। शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण की एक प्रयोगशाला तकनीक है। जिससे सामान्य कक्षा-कक्षा शिक्षण की जटिलता को सरल बनाया जाता है। शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूक्ष्म-शिक्षण अपेक्षाकृत एक नई तकनीक है।

सूक्ष्म शिक्षण एक व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रणाली है। व इसमें प्रशिक्षण सिद्धांतों को शामिल किया जाता है। इसका उद्देश्य नियमित शिक्षण प्रक्रिया को सरल बनाना और प्रशिक्षु को शिक्षण ~~प्रक्रिया~~ की एक प्रभावी विधि में संलग्न करना। सूक्ष्म शिक्षण अध्यापन के एक-एक कौशल को कृत्रिम वातावरण में ~~अपेक्षाकृत~~ भ्रमपात्रि में स्वीरण की उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है।

सूक्ष्म-शिक्षण का इतिहास -

1961 में अमेरिका के स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय में शोध इपाधि हेतु प्रत्याशी "वीच रश्चीमिन" ने समाचारपत्र में एक जर्मन वैज्ञानिक द्वारा छोटे वीडियो टेप-रिकार्डर के आविष्कार का समाचार पढ़ा "रश्चीमिन" उस समय डॉ. वाबर्ट रण्ड बुरा और डॉ. डाक्टर रेलन के साथ कार्यरत थे। निम्न फोर्ड फाउंडेशन का अनुदान मिला जा कि वे रोज करे कि छात्र अध्यापकों के लिए नवस्यारी अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में कौन-कौन से अनुभव वांछित होंगे। निम्नमें छात्र चलकर उनमें अपने अध्यापन कार्य को सुचारु रूप से करने की क्षमता उत्पन्न हो।

रश्चीमिन का मत था यदि छात्र अध्यापक द्वारा पद्यी पाठ की वीडियो टेप-रिकार्डर के सहारे उसे दिखाया जा सके कि उसने क्या किया है तो प्रतिपुष्टि बहुत सभावी होगी। श्री. बुरा एवं रेलन ने इस सुझाव का स्वागत किया। रश्चीमिन और स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय के उनके अन्य सहयोगी, वीडियो टेपरिकार्डर से विभिन्न प्रयोग करने में लग गये। उन्होंने छात्र अध्यापक की अध्यापन व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाने व प्रशिक्षण निश्चित दृष्टियों की पूर्ति हेतु इसका प्रयोग किया।

विश्वविद्यालय के अनेक अध्यापकों के अध्यापन की वीडियो टेप-रिकार्डर तैयार की गई। कुछ ने इसका प्रयोग ही किया जो स्वाभाविक ही था इस वीडियो टेप पर अपना अध्यापन देखकर लोगो ने अनेक सुधार भी किये अनेक प्रयोग के सहारे प्रयत्न किये गये कि इस अध्यापन के उचित मूल्यांकन के लिए मानदंड निर्धारित किये जायें।

सन् 1967 में रेलन-बुरा ने स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय ग्रीष्मकालीन प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम के छात्र

अध्यापकों को दो खंडों में विभाजित किया गया। एक को सूक्ष्म अध्यापन विधि में अध्यापन प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया। दूसरे को पूर्ववत्-यत्ने आ रहे तरीके से प्रशिक्षित किया, इन प्रयोगों में दोनों खंडों की उपलब्धि लगभग समान पाई गई। परंतु सूक्ष्म अध्यापन द्वारा बहुत ही कम समय में अध्यापन प्रक्रिया की वारीकियों सम्झाई जा सकी। जबकि दूसरे खंड को काफी समय लगा।

इन प्राथमिक शोधकार्यों के फलस्वरूप सूक्ष्म अध्यापन में अमेरिका ही नहीं विश्व के अन्य देशों का भी ध्यान आकर्षित किया। विदेश में भी इस कार्य में अनेक प्रयोग हुये और किये जा रहे हैं। भारत भी इससे बहुत नदी रहा।

अध्यापकों की जो सेवापूर्व अथवा सेवाकालीन प्रशिक्षण हेतु माते है। इस प्रक्रिया द्वारा काम समय में अध्यापन कौशल का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। सभी अध्यापकों की अध्यापन प्रक्रियाओं में भी इसी प्रणाली द्वारा सुधार लाना है उनमें लगे समय 40-50 मिनट के पाठ पढ़वाना प्रवास्तविक और समय का दुर्बुधयोग है। इस हेतु सूक्ष्म अध्यापन बहुत ही सुविधाजनक एवं सफल प्रणाली है।

केंद्रातून लक्षात घ्यावे. लक्षात घ्यावे. लक्षात घ्यावे. लक्षात घ्यावे. लक्षात घ्यावे.

शैक्षणिक उद्देश्ये शैक्षणिक लेखन
SKILL-I
शैक्षणिक उद्देश्ये शैक्षणिक लेखन
शैक्षणिक उद्देश्ये शैक्षणिक लेखन

Observation Table No. 1

Date → 10-05-20	Time → 40 मिनट
Class → 7 th	कालखंड → III
Subject → हिन्दी	Name of School → शा. क. उ. मा. वि.
Topic → "मेरी भावना"	Name of Student → ज्योति रजक

	COMPONENTS	RATING					
		0	1	2	3	4	5
1.	भली प्रकार से स्पष्ट रंग वणित	0	1	2	3	4	5
2.	विषय - वस्तु से संबंधित ज्ञान	0	1	2	3	4	5
3.	अधिगम - परिणाम की दृष्टि से पर्याप्त	0	1	2	3	4	5
4.	विषय - वस्तु की दृष्टि से पर्याप्त	0	1	2	3	4	5
5.	विद्यार्थी के मानसिक स्तर के अनुकूल	0	1	2	3	4	5

COMMENTS → ①

②

③

④

⑤

[Signature]
Sing of student
Teacher

[Signature]
Sing of subject
Teacher

Sing of
observer

Skill-I

शैक्षिक उद्देश्य एवं लेखन कौशल के घटक →

Components of Education Objectives Writing Skills.

1. मूल्य प्रणाली से स्पष्ट रूप व ठीक।
2. विषय-वस्तु से संबंधित ज्ञान।
3. प्राप्यगम - परिणाम की दृष्टि से पर्याप्त।
4. विषय - वस्तु की दृष्टि से पर्याप्त।
5. विद्यार्थी के मानसिक स्तर के अनुकूल।

[Lesson Plan No-1]

Date - 18/05/20

Class - 8th

Subject - 3rd भाग

Topic - राष्ट्रीय सूचीकरण

कक्षा/सत्र - 8th

समय - 40 मिनट

Name of School - श्री कृष्ण ज्योति

Name of student - ज्योति रघु

I) सामान्य उद्देश्य - [General Aims]

1. विद्यार्थियों में उत्तम नागरिकता, समाजिकता, चरित्र तथा अपनेपन की भावना का विकास।
2. विद्यार्थियों में सामाजिक विरासत तथा समस्याओं का ज्ञान करना है।
3. विद्यार्थियों में अंतर्राष्ट्रीय सहभावना का विकास करना।
4. विद्यार्थियों को देश की आर्थिक समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।
5. विद्यार्थियों में तर्क एवं चिंतन शक्तियों का विकास करना।
6. विद्यार्थियों में विश्वधर्मों के प्रति आदर की भावना का विकास करना।
7. विद्यार्थियों में वैयक्तिक एवं सामाजिक गुणों का विकास करना।
8. विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता एवं सक्रियता का विकास करना।
9. " में विश्वबंधुत्व की भावना का विकास करना।
10. विद्यार्थियों को नागरिक कर्तव्यों एवं अधिकारों की व्यवहारिक रूप में प्रदान।

11. विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना।
12. विद्यार्थियों का मानसिक विकास करना।

II) विशिष्ट उद्देश्य - (Specific Aims)

1. बानात्मक उद्देश्य =
 - 1) विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शक्तीकरण का भाग समझाना।
 - 2) विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शक्तीकरण के सहायक तत्वों की जानकारी देना।
 - 3) राष्ट्रीय शक्ती के बाधक तत्वों के बारे में समझाना।
2. अन्वैयात्मक उद्देश्य =
 - 1) विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्तीकरण के भाग को समझेंगे।
 - 2) विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्तीकरण के सहायक तत्वों के बारे में जानेंगे।
 - 3) विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्तीकरण के बाधक तत्वों से परीचित होंगे।
3. अनुसर्थात्मक उद्देश्य =
 - 1) विद्यार्थी व्यवहारिक रूप व मौलिक रूप से राष्ट्रीय शक्तीकरण की भावना से जागृत होंगे।
4. अभिरुचियात्मक उद्देश्य = विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्ती के महत्व को जानना चाँहेंगे।
5. कौशलत्मक उद्देश्य = विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्तीकरण की भावना को समझने में दक्ष होंगे।

Observation Table No. - 1

Date - 16/05/20	→ III अंश
Class - 3 th	→ 40 मिनट
Subject - गान विज्ञान	Name of School - जयपाल अमी स्कूल
Topic - राष्ट्रीय शक्तीकरण	Name of student - ज्योति बलक

COMPONENTS	RATING					
	0	1	2	3	4	5
1. भली प्रकार से स्पष्ट एवं वर्णित	0	1	2	3	4	5
2. विषय-वस्तु से संबंधित ज्ञान	0	1	2	3	4	5
3. अध्यापक-परिणाम की दृष्टि से पर्याप्त	0	1	2	3	4	5
4. विषय-वस्तु की दृष्टि से पर्याप्त	0	1	2	3	4	5
5. विद्यार्थी के मानसिक स्तर के अनुकूल	0	1	2	3	4	5

COMMENTS -

[Signature]
Sing. of
Student teacher

[Signature]
16/05/2021
Sing. of
Subject teacher

11. विद्यार्थियों का स्वर्गीय विकास करना।
12. विद्यार्थियों का मानसिक विकास करना जिससे उनका दृष्टिकोण उदार एवं वैज्ञानिक बन सके।

II) विशिष्ट उद्देश्य — [Specific Aims]

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य =

1. विद्यार्थियों का ज्वालामुखी का अर्थ बताना।
2. विद्यार्थियों को ज्वालामुखी के प्रकारों से परिचित करना।
3. चित्र के माध्यम से ज्वालामुखी की क्रिया बताना।

2. अवबोध-आत्मक उद्देश्य =

1. विद्यार्थी ज्वालामुखी के अर्थ को समझेंगे।
2. विद्यार्थी ज्वालामुखी के प्रकारों को जानेंगे।
3. विद्यार्थी ज्वालामुखी की क्रिया को चित्र के माध्यम से सीखेंगे।

3. अनुसंधान-आत्मक उद्देश्य =

1. विद्यार्थी भूगोलिक क्रिया (ज्वालामुखी) की मॉडल के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

4. अभिरुचि-आत्मक उद्देश्य =

विद्यार्थी मानव जीवन में ज्वालामुखी के लाभ-हानि को जानने में रस लेते हैं।

5. कौशल-आत्मक उद्देश्य =

विद्यार्थी ज्वालामुखी क्रिया को चित्र पर समझने में दक्ष होंगे।

Skill-II

प्रस्तावना के घटक →

Components of Set Induction Skill

I) विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान का अधिकतम समूह →

- विद्यार्थियों का विषय संबंधी पूर्वज्ञान।
- विद्यार्थियों की भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण संबंधी चेतना।
- पूर्वज्ञान को खोलने की युक्तियों एवं प्रविधियाँ।
- पूर्वज्ञान के समूहों के लिए उचित स्थिति के निर्माण की योग्यता।

II) उचित साधनों का समूह →

- उदा० उपमाओं आदि का समूह।
- प्रश्न पूछना।
- व्याख्यान, वितरण, कथन, दृष्टांत।
- कहानी कथन।
- नाटकीयकरण।
- दृश्य-श्रव्य सहायक साधन।
- समूह-प्रदर्शन।

III) तारतम्यता का अनुपालन → (निम्न क्रमबद्धता)

IV) शाब्दिक और मशाब्दिक व्यवहार की सघनता →

- पूर्वज्ञान का परीक्षण।
- पूर्व अनुभवों का समूह।
- विद्यार्थियों के साथ संपर्क स्थापित करना।
- पाठ के लक्ष्यों को स्पष्ट करना।
- विद्यार्थियों को पढ़ाये जा रहे पाठ के महत्व का अनुभव करना।

N.E.S. COLLEGE OF EDUCATION

HOSHANGABAD

2020 - 2021

CLASS:— B.Ed. III SEM.

SUBJECT:— PSYCHOLOGY

Q. S. M.
22.02.2021.

GUIDED BY:—

Dr. KAMLESH
SHULA SIR

Jyoti Rajak
SUBMITTED

BY:—

Jyoti Rajak

S. No.	PARTICULARS	PAGE. No.
--------	-------------	-----------

मानसिक योग्यता का बुद्धि परीक्षण

01)

- I) बुद्धि की परिभाषा
- II) बुद्धि मापन का अर्थ
- III) बुद्धि परीक्षण के प्रकार
- IV) निर्देश
- V) विद्यार्थियों का वर्गीकरण
- VI) बुद्धि लब्धि
- VII) बुद्धि लब्धि का वर्गीकरण
- VIII) परिणाम

01-10

(P. 10/11)

शैक्षिक अभिवृत्ति मापनी

02)

- I) अभिवृत्ति का अर्थ
- II) शैक्षिक अभिवृत्ति
- III) शैक्षिक अभिवृत्ति मापनी का उद्देश्य

(P. 10/11)

S. No.	PARTICULARS	PAGE.No.
	IV.) अभिवृत्ति स्तर का वर्गीकरण V.) परिणाम VI.) निष्कर्ष VII.) सुझाव	11-15
03)	<u>व्यवसायिक अभिवृत्ति</u> <u>मापनी</u> I.) व्यवसायिक अभिवृत्ति II.) व्यवसायिक अभिवृत्ति मापनी III.) व्यवसायिक अभिवृत्ति उद्देश्य IV.) व्यवसायिक अभिवृत्ति निर्देश V.) प्रश्नों का वर्गीकरण VI.) अभिवृत्ति की श्रेणी VII.) प्रयोग विधि VIII.) परिणाम IX.) निष्कर्ष X.) सुझाव	16-22 (४ पृष्ठ)

S.No.	PARTICULARS	PAGE No.
04)	<p><u>मानव-अधिकार जागरूकता</u> <u>मापनी</u></p> <p>I.) मानव अधिकार अर्घी II.) मानव अधिकार मापनी III.) मापनी निर्देश, उपदेश्य IV.) प्रश्नों का विश्लेषण V.) प्रश्नों का वर्गीकरण VI.) जागरूकता मापनी स्तर का वर्गीकरण VII.) प्रयोग विधि VIII.) परिणाम IX.) निष्कर्ष X.) सुझाव</p>	23 - 28
05.)	<p><u>किशोर भय मापनी</u></p> <p>I.) भय का भर्ष व प्रकार II.) भय मापनी के उपदेश्य व निर्देश III.) भय मापनी स्तर का वर्गीकरण IV.) भय मापनी प्रश्नों का वर्गीकरण V.) प्रयोग विधि VI.) परिणाम VII.) निष्कर्ष VIII.) सुझाव</p>	29 - 35

बुद्धि की परिभाषा

आधुनिक मनोवैज्ञानिक ने किसी एक योग्यता को नही वरन् समस्त योग्यताओं के समन्वय को बुद्धि कहा है।

Do Wechsler वैश्लर ने बुद्धि के अर्थ को स्पष्ट करते हुए लिखा है बुद्धि व्यक्ति की वह समस्त एवं सार्वभौमिक शक्ति है जो उसे दृश्य युक्त कार्य करने तर्कपूर्ण चिन्तन करने तथा वातावरण के साथ सहायपूर्ण समायोजन करने में सहायता करती है।

ज्याने piaget ने बुद्धि को बिल्कुल अलग ढंग से समझा है। आपके अनुसार जो व्यवहार अनुफलतम सफलता प्रदान करता है वही बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार है बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार करने वाला ही बुद्धिमान व्यक्ति है आपने उत्तरो को सही होने पर जोर न देकर समस्याओं का समाधान खोजने की प्रक्रिया व ढंग पर विशेष बल दिया है।

बुद्धि के अभाव में दैनिक व्यावहारिक जीवन में सफलता एवं समायोजन सम्भव नहीं।

बुद्धि मापन का अर्थ :- बुद्धि मापन का अर्थ है बालक की मानसिक योग्यता का मापन करना या यह बात करना कि उसमें कौन-कौन सी मानसिक योग्यताएँ हैं और कितनी ?

Lesson Plan-02

Date: _____ Page: _____

Date:- Class: 8 th Subject: Maths Topic: Exponents and powers	Period:- 1 st Time Duration: 40min School: Sunrise School of Excellence Student Teacher Name: Roshni Sarathe
---	---

GENERAL AIMS :-

- 1) To acquaint pupils with the broad outline of great mathematical principles.
- 2) To develop mathematical aptitude and interest among the students.
- 3) To develop the power of thinking and reasoning.
- 4) To enable them to understand mathematical terms, concepts and formulas and process.
- 5) To acquaint pupils with the basic facts to understand various mathematical problems.

Date: _____ Page: _____

SPECIFIC AIMS :-

I. Knowledge

- (i) To introduce the students about ~~and degree~~
- (ii) To introduce the students about ~~of~~ exponents.
- (iii) To introduce the students about scientific notation.

II. Understanding

- (i) Student will understand ~~different types~~ about powers ~~and degree~~
- (ii) Student will understand the laws of exponents.
- (iii) Student will understand the scientific notation.

III. Application :-

- (i) Student will be able to find the powers of given numbers.
- (ii) Student will be able to convert the numbers into scientific notation.

IV Skill:-

Student will be perfect in converting the numbers into scientific notation.

(a) Essential Teaching Material:- Blackboard, chalk, duster

(b) Helping Teaching Material:- Chart, Pointer, roller.




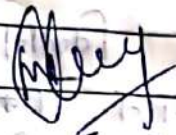
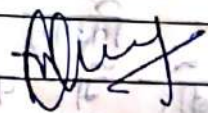
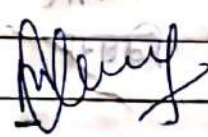
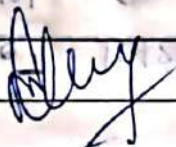
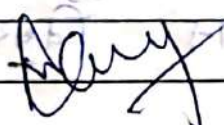
(c) Teaching Method:- Inductive and deductive method.

(d) Previous Knowledge:- Student have basic knowledge of numbers.

INTRODUCTION

S. No.	Student's Activity	Teacher's Activity
1.	What is the value if we multiply 2 into 2?	If we multiply 2 into 2 the value is 4.
2.	Is 2×2 and 2^2 same?	Yes, 2×2 and 2^2 are same.
3.	What is the value of $(5)^2$?	The value of $(5)^2$ is 25.
4.	What is the value of $(3)^3$?	The value of $(3)^3$ is 27.
5.	What is the scientific notation for 0.02?	Problematic Question

क्रमांक	दिनांक	किया गया कार्य	कार्य
1.	29/11/2021	विद्यालय का पर्यवेक्षण किया गया।	हाँ
2.	30/11/2021	कक्षा 8 वी. को विज्ञान विषय में प्रकाश के परावर्तन नियम को पढ़ाया गया।	हाँ
3.	1/12/2021	कक्षा 7 वी. को विज्ञान विषय में गोलीय दर्पण के बारे में पढ़ाया गया।	हाँ
4.	2/12/2021	कक्षा 7 वी. को विज्ञान विषय में विद्युत धारा के ऊष्मीय व चुम्बकीय प्रभाव को पढ़ाया गया।	हाँ
5.	3/12/2021	कक्षा 8 वी. को विज्ञान विषय में ह्वानि के बारे में पढ़ाया गया है।	हाँ
6.	4/12/2021	कक्षा 8 वी. को विज्ञान विषय में 'दोलन गति, प्रबलता व तारत्व' के बारे में पढ़ाया गया।	हाँ
7.	6/12/2021	कक्षा 8 वी. को 'ह्वानि प्रदूषण' विज्ञान विषय में पढ़ाया गया।	हाँ
8.	7/12/2021	कक्षा 9 वी. को विज्ञान में 'ऊर्जा' के विषय में पढ़ाया गया।	हाँ

विषय शिक्षक के हस्ताक्षर	पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर	मेंटर के हस्ताक्षर	बात्राद्यापिका हस्ताक्षर
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>
			<u>Anueta</u>

क्रमांक	दिनांक	किया गया कार्य	कक्षा
17	17/12/2021	कक्षा 9 वी. में विज्ञान विषय में कार्य के बारे में पढ़ाया गया।	9
18	18/12/2021	कक्षा 8 वी. में श्रव्य व अश्रव्य ध्वनि के बारे में विज्ञान विषय में पढ़ाया गया।	8
19	20/12/2021	कक्षा 8 वी. में विज्ञान विषय में बल के बारे में पढ़ाया गया।	8
20	21/12/2021	कक्षा 8 वी. में विज्ञान विषय में लोचन के बारे में पढ़ाया गया।	8
21	22/12/21	कक्षा 8 वी. में विज्ञान विषय में चर्षण के बारे में पढ़ाया गया।	8
22	23/12/2021	कक्षा 8 वी. में विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव के बारे में पढ़ाया गया।	8
23	24/12/2021	कक्षा 8 वी. में विज्ञान विषय में विद्युत्तलमप्राकाश के विषय में पढ़ाया गया।	8

वार्षिक पाठ योजना

दिनांक -	कालखण्ड
कक्षा -	समयावधि
विषय - गणित	विद्यालय
प्रकरण - घातांक व घातांक के नियम	छात्राध्यापिका - श्वेता गुप्ता

सामान्य उद्देश्य -

1. विद्यार्थियों को गणित विषय की उपयोगिता बताना।
2. विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
3. विद्यार्थियों में सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक ज्ञान में परिवर्तित करने की क्षमता का विकास करना।
4. विद्यार्थियों में शिक्षण कौशली एवं शिक्षण सूत्रों को समझने की कला को विकसित करना।
5. विद्यार्थियों में गणितीय दृष्टिकोण का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य -

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य -
 - (i) विद्यार्थियों को घातांक के विषय में जानकारी प्रदान करना।
 - (ii) विद्यार्थियों को घातांक का आदर्श उदाहरण

विशिष्ट उद्देश्य - बताना।

विद्यार्थियों को घातांक के नियम को उदाहरण सहित समझाना।

2. अवबोधनात्मक उद्देश्य -
(i) विद्यार्थी घातांक के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी घातांक का उदाहरण समझ सकेंगे।

(iii) विद्यार्थी घातांक के नियम उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

3. अप्रयोगात्मक उद्देश्य -
विद्यार्थी प्राप्य ज्ञान का प्रयोग अगामी कक्षा में कर सकेंगे।

4. कौशलनात्मक उद्देश्य -
विद्यार्थी घातांक व घातांक के नियम को उदाहरण सहित बताने में यक्ष हो सकेंगे।

उपयुक्त आवश्यक सामग्री -

- (i) श्यामपट्ट
- (ii) चॉक
- (iii) डस्टर
- (iv) चार्ट

आवश्यक शिक्षण विधि -

- (i) प्रश्नोत्तर विधि
- (ii) आगमन विधि
- (iii) निगमन विधि

पूर्वज्ञान - विद्यार्थी घातांक के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

क्र.	दाताव्यापिका क्रिया	ह्रात क्रिया
1	2 को 5 से गुणा करने पर कितना आयेगा?	उत्तर- 2 को 5 से गुणा करने पर 10 आयेगा।
2	10 को 10 से गुणा करने पर कितना आयेगा?	उत्तर- 10 को 10 से गुणा करने पर 100 आयेगा।
3	100 से 1000 से गुणा करने पर कितना आयेगा?	उत्तर- 100 से 1000 से गुणा करने पर 100000 आयेगा।
4	100000 को घातांक रूप में कैसे लिखेंगे।	उत्तर- समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन - हज़ी। आप हम घातांक व घातांक के नियम का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

वार्षिक पाठ योजना क्रमांक

दिनांक -

कक्षा -

विषय -

प्रकरण -

विज्ञान

गति व गति के नियम

कालखंड -

समयावधि -

विद्यालय -

छात्राध्यापिका - श्वेता गुप्ता

सामान्य उद्देश्य -

1. विद्यार्थियों को विज्ञान विषय की उपयोगिता बताना।
2. विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
3. विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
4. विद्यार्थियों में चिंतन शक्ति का विकास करना।
5. विद्यार्थियों में शिक्षण कौशल एवं शिक्षण सूत्रों को समझने की कला को विकसित करना।

विशिष्ट उद्देश्य -

ज्ञानात्मक उद्देश्य -

- (i) छात्रों को गति के विषय में जानकारी प्रदान करना।
- (ii) छात्रों को गति के बारे में नियम के विषय में जानकारी प्रदान करना।
- (iii) विद्यार्थियों को गति के नियमों को उदाहरण सहित समझाना।

अवबोधात्मक उद्देश्य -

- (i) विद्यार्थी गति के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- (ii) विद्यार्थी गति के नियम के बारे में जान

सकेंगे।

संस्कृत भाषा में आप कहेंगे।

(iii) विद्यार्थी गति के अन्वयियों को उदाहरण सहित समझा सकेंगे।

अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य - (ii) विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का प्रयोग आगामी कक्षा में कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी गति व गति के नियमों में संबंधित जानकारी का प्रयोग वैज्ञानिक जीवन में करेंगे।

कौशल/आत्मक उद्देश्य :-

विद्यार्थी गति के विषय में जानकारी व गति के नियमों को उदाहरण सहित बताने में सक्षम हो सकेंगे।

उपयुक्त शिक्षण सामग्री -

- (i) चॉक
- (ii) डस्टर
- (iii) बयामपट्ट
- (iv) चार्ट

आवश्यक शिक्षण विधि -

- (i) प्रश्नोत्तर विधि
- (ii) व्याख्यान विधि
- (iii) निगमन विधि

पूर्वलान - विद्यार्थी गति के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

घात्राद्यापिका क्रिया

घात्र क्रिया

कः

1. हमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए किसकी आवश्यकता होती है।

उ० हमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए वाहनों की आवश्यकता होती है।

2. कुछ वाहनों के नाम बताइए ?

उ० साइकिल, बस, कार, आदि।

3. साइकिल तथा कार में से कौन पत्नी इसी तय करेगा ?

उ० साइकिल - कार व साइकिल में से कार पत्नी इसी तय करेगी।

4. कार क्यों पत्नी इसी तय करेगी।

उ० तेज गति के कारण कार पत्नी इसी तय करेगी।

5. गति के विषय में आप क्या जानते हैं।

उ० गति के कारण व गति के नियमों का अध्ययन कर सकते हैं।

उद्देश्य कथन - हमें आज हम गति व गति के नियमों का विस्तृत अध्ययन करेगा।

प्रस्तुतीकरण -

सकेंगे।

कॉम्प्लेक्स गति के लिए

(iii) विद्यार्थी गति के संक्रमणों को उदाहरण सहित समझा सकेंगे।

अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य -
(i) विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का प्रयोग आगामी कक्षा में कर सकेंगे।

(ii) विद्यार्थी गति व गति के नियम से संबंधित जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

कौशलत्मक उद्देश्य -
विद्यार्थी गति के विषय में जीवनकारी व गति के नियम को उदाहरण सहित बताने में सक्षम हो सकेंगे।

उपर्युक्त शिक्षण सामग्री -

- (i) चॉक
- (ii) डस्टर
- (iii) श्यामपट्ट
- (iv) चार्ट

आवश्यक शिक्षण विधि -

- (i) प्रश्नोत्तर विधि
- (ii) व्याख्यान विधि
- (iii) निगमन विधि

पूर्वज्ञान - विद्यार्थी गति के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

एन.ई.एस. शिक्षा महाविद्यालय होशंगाबाद

पर्यवेक्षण प्रपत्र (Observation Form)

पाठ क्रमांक 8 दिनांक 31/11/21
कक्षा 8th and sem छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्वेता गुप्ता
कालखण्ड II समयाविधि 40 min
विषय Science स्कूल का नाम Govt. Girls School
प्रकरण:- गति व गति के नियम

प्रस्तावना (Set Induction)

1. प्रस्तावना में किस विधि का प्रयोग किया गया। हृदय प्रक्षेत्र विधि
2. पूर्व ज्ञान एवं नवीन ज्ञान में संबंध स्थापन। हाँ
3. प्रस्तावना प्रश्नों में तारतम्यता का अनुपालन। किया गया

उद्देश्य कथन (Statement of aim)

1. उद्देश्य कथन स्पष्ट/अस्पष्ट स्पष्ट
2. उद्देश्य कथन विषय-वस्तु के अनुकूल/प्रतिकूल अनुकूल

प्रस्तुतीकरण (Presentation)

1. विषय वस्तु का संगठन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सरल
सरल/जटिल
2. विषय वस्तु विद्यार्थियों की सामाजिक संबंधित
आवश्यकताओं से संबंधित/असंबंधित
3. प्रस्तुतीकरण प्रभावपूर्ण/अप्रभावपूर्ण प्रभावपूर्ण

शिक्षण-विधि (Teaching Method)

1. किन शिक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है ?
2. शिक्षण की गति। सामान्य

श्यामपट-कार्य (Black Board Work)

1. श्याम पट कार्य विषय वस्तु के अनुकूल/ अनुकूल
प्रतिकूल/पर्याप्त/अपर्याप्त।
2. श्यामपट का उपयोग सुव्यवस्थित/अव्यवस्थित सुव्यवस्थित

3. श्यामपट पर कार्य स्वच्छ/अस्वच्छ
पठनीय/अपठनीय, सुसंगठित

स्वच्छ, पठनीय, सुसंगठित

4. श्यामपट कार्य में शिक्षण बिन्दुओं में क्रम अनुकूलता

5. श्यामपट पर अक्षरों का आकार

बड़ा, स्पष्ट रूप से पढ़ा
जाये सौग्य

व्याख्या (Explanation)

1. स्पष्ट/अस्पष्ट
2. कथनों में तारतम्यता एवं प्रभावशीलता
3. अनिवार्य बिन्दुओं को समाहित किया गया अथवा नहीं
4. तकनीकी शब्दों की परिभाषा
5. व्याख्या में प्रभावशीलता
6. दैनिक जीवन में संबंधित उदाहरण/दृष्टांत
7. विद्यार्थियों हेतु रोचक/अरोचक
8. छात्र सहभागिता
9. निष्कर्षात्मक कथन

स्पष्ट
हाँ
किया गया है
हाँ
हाँ
हाँ, प्रयुक्त किये गये हैं।
रोचक
हाँ
मौखिक

प्रश्नोत्तर (Question & Answer)

1. प्रश्नों में तारतम्यता
2. प्रश्नों की प्रकृति पूर्ण/अपूर्ण वाक्य, स्पष्ट/अस्पष्ट
3. विद्यार्थियों के मानसिक स्तर के प्रश्नों के प्रकार
4. विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने हेतु
प्रोत्साहित/निरुत्साहित किया गया।
5. विद्यार्थियों से उत्तर पूर्ण/अपूर्ण वाक्य में
व्यक्तिगत/सामूहिक रूप से लिये

हाँ
पूर्ण स्पष्ट
अनुकूल
प्रोत्साहित किया गया
पूर्ण वाक्य, व्यक्तिगत रूप

दृश्य श्रव्य साधन (Audio Visual Aids)

1. दृश्य श्रव्य साधन की आवश्यकता थी/नहीं थी।
2. दृश्य-श्रव्य साधन का प्रकार
3. दृश्य-श्रव्य साधन विषय-वस्तु से संबद्धता
थी या नहीं।
4. दृश्य-श्रव्य साधन कक्षा के आकार के
अनुकूल/प्रतिकूल
5. दृश्य-श्रव्य साधन के साथ संकेतक का
उपयोग किया गया/नहीं किया गया।

आवश्यकता थी
संबद्धता थी
अनुकूल
किया गया

(2)

पुनरावृत्ति (Recapitulation)

1. पुनरावृत्ति प्रश्न में अधिकतम छात्र सहभागिता हाँ
2. छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका विशिष्ट उद्देश्य की प्राप्ति में सफल/असफल रहा/रही सफल रही

गृहकार्य (Home Work)

1. गृहकार्य लिखित/अलिखित था। लिखित
2. विद्यार्थियों के स्तर के अनुकूल/प्रतिकूल पर्याप्त/अपर्याप्त अनुकूल व पर्याप्त

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का व्यक्तित्व (Student teacher personality)

1. कक्षा का अनुशासन अनुशासन था
2. आवाज कक्षा के अनुकूल
3. उच्चारण स्पष्ट
4. विद्यार्थियों के साथ व्यवहार मधुर
5. शारीरिक व्यक्तित्व उत्तम

टिप्पणी-सुझाव

आत्मविश्वास बनाये रखे।

प्रशिक्षक पर्यवेक्षक

विद्यार्थी पर्यवेक्षक

नाम Shirin Khan

हस्ताक्षर

दिनांक 23/10/21

एन.ई.एस. शिक्षा महाविद्यालय होशंगाबाद

पर्यवेक्षण प्रपत्र (Observation Form)

पाठ क्रमांक 13 दिनांक 30/11/21
कक्षा B. Math 3rd sem छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्वेता गुप्ता
कालखण्ड I समयाविधि 40 min
विषय Mathematics स्कूल का नाम शा. ऊन्या बाला
प्रकरण:- घातांक

प्रस्तावना (Set Induction)

1. प्रस्तावना में किस विधि का प्रयोग किया गया। प्रश्नोत्तर विधि
2. पूर्व ज्ञान एवं नवीन ज्ञान में संबंध स्थापन। हाँ
3. प्रस्तावना प्रश्नों में तारतम्यता का अनुपालन। किया गया

उद्देश्य कथन (Statement of aim)

1. उद्देश्य कथन स्पष्ट/अस्पष्ट स्पष्ट
2. उद्देश्य कथन विषय-वस्तु के अनुकूल/प्रतिकूल अनुकूल

प्रस्तुतीकरण (Presentation)

1. विषय वस्तु का संगठन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सरल
सरल/जटिल
2. विषय वस्तु विद्यार्थियों की सामाजिक संबंधित
आवश्यकताओं से संबंधित/असंबंधित
3. प्रस्तुतीकरण प्रभावपूर्ण/अप्रभावपूर्ण प्रभावपूर्ण

शिक्षण-विधि (Teaching Method)

1. किन शिक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है ? सामान्य
2. शिक्षण की गति। सामान्य

श्यामपट-कार्य (Black Board Work)

1. श्याम पट कार्य विषय वस्तु के अनुकूल/ अनुकूल
प्रतिकूल/पर्याप्त/अपर्याप्त।
2. श्यामपट का उपयोग सुव्यवस्थित/अव्यवस्थित सुव्यवस्थित

3. श्यामपट पर कार्य स्वच्छ/अस्वच्छ
पठनीय/अपठनीय, सुसंगठित

स्वच्छ पठनीय सुसंगठित

4. श्यामपट कार्य में शिक्षण बिन्दुओं में क्रम अनुकूलता

5. श्यामपट पर अक्षरों का आकार

बड़ा, स्पष्ट रूप से
पढ़ा जाने योग्य

व्याख्या (Explanation)

1. स्पष्ट/अस्पष्ट

स्पष्ट

2. कथनों में तारतम्यता एवं प्रभावशीलता

हाँ

3. अनिवार्य बिन्दुओं को समाहित किया गया अथवा नहीं

किया गया है

4. तकनीकी शब्दों की परिभाषा

हाँ

5. व्याख्या में प्रभावशीलता

हाँ

6. दैनिक जीवन में संबंधित उदाहरण/दृष्टांत

हाँ प्रयुक्त किये गये हैं।

7. विद्यार्थियों हेतु रोचक/अरोचक

रोचक

8. छात्र सहभागिता

हाँ

9. निष्कर्षात्मक कथन

मौलिक

प्रश्नोत्तर (Question & Answer)

1. प्रश्नों में तारतम्यता

हाँ

2. प्रश्नों की प्रकृति पूर्ण/अपूर्ण वाक्य, स्पष्ट/अस्पष्ट

पूर्ण स्पष्ट

3. विद्यार्थियों के मानसिक स्तर के प्रश्नों के प्रकार

अनुकूल

4. विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने हेतु

प्रोत्साहित/निरूत्साहित किया गया।

प्रोत्साहित किया गया

5. विद्यार्थियों से उत्तर पूर्ण/अपूर्ण वाक्य में
व्यक्तिगत/सामूहिक रूप से लिये

पूर्ण वाक्य, व्यक्ति रूप

दृश्य श्रव्य साधन (Audio Visual Aids)

1. दृश्य श्रव्य साधन की आवश्यकता थी/नहीं थी।

आवश्यकता थी

2. दृश्य-श्रव्य साधन का प्रकार

3. दृश्य-श्रव्य साधन विषय-वस्तु से संबद्धता
थी या नहीं।

संबद्धता थी

4. दृश्य-श्रव्य साधन कक्षा के आकार के
अनुकूल/प्रतिकूल

अनुकूल

5. दृश्य-श्रव्य साधन के साथ संकेतक का
उपयोग किया गया/नहीं किया गया।

किया गया

(2)

पुनरावृत्ति (Recapitulation)

1. पुनरावृत्ति प्रश्न में अधिकतम छात्र सहभागिता
2. छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका विशिष्ट उद्देश्य की प्राप्ति में सफल/असफल रहा/रही

हाँ

सफल रही

गृहकार्य (Home Work)

1. गृहकार्य लिखित/अलिखित था।
2. विद्यार्थियों के स्तर के अनुकूल/प्रतिकूल पर्याप्त/अपर्याप्त

लिखित

अनुकूल व पर्याप्त

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का व्यक्तित्व (Student teacher personality)

1. कक्षा का अनुशासन
2. आवाज
3. उच्चारण
4. विद्यार्थियों के साथ व्यवहार
5. शारीरिक व्यक्तित्व

अनुशासन था

कक्षा के अनुकूल

स्पष्ट

मधुर

उत्तम

टिप्पणी-सुझाव

आत्मविश्वास बनाये रखें।

प्रशिक्षक पर्यवेक्षक

विद्यार्थी पर्यवेक्षक

नाम Shirin Khan

हस्ताक्षर

दिनांक 30/11/21